पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘नेचुरल और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं’

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 101 ■ बुधवार, 2 जुलाई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

रिक्शा चालकों का गुस्सा चरम पर

■ उल्हासनगर में अन्यायपूर्ण जुर्माने के खिलाफ एकजुट हुए रिक्शा चालक

उल्हासनगर. उल्हासनगर यातायात पुलिस 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगा रही है, जिसके खिलाफ रिक्शा चालक एकजुट हो गए हैं. गुस्साए रिक्शा चालकों ने अनुचित जुर्माने के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस स्टेशन के सामने नारे लगाकर अनुचित जुर्माने के खिलाफ आवाज उठाई।

रमाकांत चव्हाण रिक्शा चालक-मालिक संघ के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह भुल्लर उर्फ विक्की भाई के मार्गदर्शन में सैकड़ों रिक्शा चालकों ने यातायात पुलिस से सीधे बातचीत की और जुर्माना वसूली के खिलाफ एक बयान प्रस्तुत किया। रिक्शा चालकों के उग्र प्रदर्शन के कारण शहर में एक नए संघर्ष के संकेत स्पष्ट रूप से उभर रहे हैं। इससे शहर में यातायात जाम हो गया। नागरिक यात्रियों की दुर्दशा भी देखी गई।

रिक्शा यूनियन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो पूरे शहर में बड़े पैमाने पर रिक्शा हड़ताल की जाएगी। विक्की भुल्लर ने इस अवसर पर भावुक बयान देते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ हमारे वाहनों के लिए नहीं है, बल्कि हमारे रिक्शा चालक भाई-बहनों की आजीविका के लिए भी है।

10 हजार रुपये तक लगाया जा रहा जुर्माना

पिछले कुछ हफ्तों से उल्हासनगर शहर में यातायात पुलिस ने रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कई वाहन चालकों पर अवैध पार्किंग, लाइसेंस की कमी और सड़क पर अनियमित यातायात के लिए 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा रहा है। इस जुर्माने से रिक्शाचालकों पर वित्तीय बोझ बढ़ गया है, जो रोजाना अपनी आजीविका चलाने के लिए संघर्ष करते हैं। इस पृष्ठभूमि में, रिक्शा चालक उल्हासनगर यातायात पुलिस स्टेशन के सामने एकत्र हुए और जोरदार नारे लगाए. इस दौरान विक्की भुल्लर ने यातायात पुलिस निरीक्षकों से मुलाकात कर एक बयान दिया तथा विभिन्न मांगें रखीं। यातायात पुलिस निरीक्षक ने रिक्शा यूनियन के बयान को स्वीकार कर लिया है और इसे वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने का आश्वासन दिया है।

अधिवेशन में उठा वालधुनी नदी के प्रदूषण का मुद्दा

शिवसेना शिंदे गुट की विधायक मनीषा कायंदे ने विधान परिषद में वालधुनी नदी के प्रदूषण का उठाया मुद्दा

- ■ नदी प्रदूषण मुक्ति केवल कागजों पर सिमटी
- ■ उल्हास-वलधुनी नदी के लिए योजना कहां अटकी?
- ■ पर्यावरणविदों में गुस्सा

उल्हासनगर. पिछले एक दशक में उल्हास और वालधुनी नदियों में प्रदूषण 100 गुना बढ़ गया है, और साथ ही मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, एमपीसीबी, एमआईडीसी, जिला कलेक्टर, मनपा आयुक्त जैसे कई पदाधिकारियों की घोषणाओं, वादों, योजनाओं और बैठकों में भी 1000 गुना वृद्धि हुई है। नदी

प्रदूषण-मुक्त होने की घोषणाएं कागजों तक ही सीमित हैं। राज्य का सोमवार से शुरू हुए मानसून सत्र के दूसरे दिन शिवसेना शिंदे गुट की विधायक मनीषा कायंदे ने विधान परिषद में वालधुनी नदी के प्रदूषण का मुद्दा उठाया।

उल्हास और वालधुनी नदियों के प्रदूषण-मुक्ति के लिए दीर्घकालिक कार्य योजना की घोषणा करने का संकल्प था। लेकिन आज, उस घोषणा के तीन महीने बाद भी, किसी योजना या ठोस कार्रवाई का कोई संकेत नहीं है। एक ओर, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया था कि जल

कुंभी हटाने के लिए 10 मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी, लेकिन वास्तव में केवल एक मशीन ही पहुंची और इसका उपयोग कांबा गांव के पास थोड़ी मात्रा में जल कुंभी हटाने के लिए किया गया। वालधुनी संरक्षण समिति के शशिकांत दायमा ने बताया कि शेष जल निकाय बेमौसम बारिश में बह गए, जिसका अर्थ है कि मशीनरी ने नहीं, बल्कि 'प्रकृति' ने यह काम पूरा किया। नदी में अभी भी कर्जत, नेरल, बदलापुर, उल्हासनगर, मोहना और म्हारल जैसे स्थानों से रसायन और सीवेज आ रहा है। बड़ी घोषणा हुई थी कि नदी प्रदूषण की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, लेकिन 3 महीने बाद भी ऐसा कोई टास्क फोर्स अस्तित्व में नहीं है।

राज्य का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इस मानसून सत्र के दूसरे दिन शिवसेना शिंदे गुट की विधायक मनीषा कायंदे ने विधान परिषद में वालधुनी नदी के प्रदूषण का मुद्दा उठाया। विधायक कायंदे ने सदन का ध्यान कारखानों से निकलने वाले अनुपचारित रासायनिक अपशिष्ट जल तथा इससे होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित किया। नदी में प्रदूषण का मुद्दा पहले भी सदन में उठाया जा चुका है। लेकिन इस बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

> “उल्हास और वालधुनी नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए दीर्घकालिक कार्य योजना की घोषणा होनी थी, लेकिन यह अभी भी कागजों पर ही बनी हुई है। प्रतिदिन हजारों लीटर सीवेज और रसायन नदियों में मिलाये जा रहे हैं। यह देखकर मुझे दु:ख और गुस्सा दोनों महसूस होता है। जनता को हर बार धोखा दिया जा रहा है। अब और घोषणाएं नहीं, कार्रवाई की जरूरत है! अब समय आ गया है कि नदियों से प्रेम करने वाले लोग एकजुट होकर सरकार को जवाबदेह ठहराएं।
>
> –**शशिकांत दायमा** (वालधुनी संरक्षण समिति)

उल्हासनगर में बार-बार बिजली गुल

- ■ महावितरण अधिकारियों को नागरिकों ने दिया निवेदन

उल्हासनगर. कैंप-4 क्षेत्र के नागरिकों के लिए बिजली का ठप होना रोजमर्रा की समस्या बन गई है. दहा चॉल, सुभाष टेकड़ी, महात्मा फुले कॉलोनी, बुद्ध कॉलोनी, भारत नगर, साईबाबा नगर, कुर्ला कैंप और नागसेन नगर क्षेत्रों के नागरिक वस्तुतः बिजली कटौती से पीड़ित हैं। प्रतिदिन होने वाली बिजली की कटौती, खंभों की खतरनाक स्थिति, टूटे तार और पेड़ों में फंसे तार, शिकायत न सुनने वाले कर्मचारियों का रवैया और खुले डी.पी. के कारण दुर्घटनाओं के

बढ़ते खतरे से तंग आकर नागरिकों ने अब सीधे महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत दर्ज कर समाधान की मांग की है।

इन समस्याओं और नागरिकों की आवाज को महावितरण के कार्यकारी अभियंता कुंभारे तक पहुंचाने के लिए शिवनेरी फाउंडेशन के प्रशांत चंदनशिव एवं अरविंद खरात ने संयुक्त बयान प्रस्तुत किया. इसमें 11 प्रमुख मुद्दे शामिल थे। महावितरण द्वारा दिए गए मोबाइल नंबरों पर बार-बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठाया जाता है। चूंकि कैंप 4 क्षेत्र के लिए कोई अलग महावितरण कार्यालय उपलब्ध नहीं है, इसलिए नागरिकों को गांधी रोड स्थित कार्यालय जाना पड़ता है। दिन में कई बार बिजली गुल हो जाती है, जिससे घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के कार्य बाधित होते हैं। बिजली गुल होने के बाद मोबाइल फोन पर कोई मैसेज प्राप्त नहीं होता। इसलिए, नागरिक अनभिज्ञ रहते हैं। गुरु नानक स्कूल के पास खुले डीपी छोटे बच्चों के लिए जानलेवा हो सकते हैं। उन्होंने कई शिकायतें कीं, जैसे कि एक दिन की देरी होने पर भी ग्राहकों के घर जाकर मीटर उतारने की धमकी दी जाती है। कार्यकारी अभियंता कुंभारे ने तुरंत इस बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

30-40 साल पहले लगाए गए पुराने तारों के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है। कुछ स्थानों पर खंभे इतने क्षतिग्रस्त हो गए हैं कि वे किसी भी समय गिर सकते हैं। पानी बंद होने के बाद बिजली गुल होना एक आम घटना हो गई है। बिजली लाइनों पर पेड़ की शाखाओं के कारण अक्सर शॉर्ट सर्किट होता है। मजदूरों के पास खंभे पर चढ़ने के लिए सीढ़ी या बड़ा वाहन नहीं है।

मंदिर से दानपेटी ले उड़े चोर

उल्हासनगर. चोरों ने मंदिर की खिड़की तोड़कर अंदर से दो सामइयां और एक दानपेटी चुरा ली। यह घटना उल्हासनगर 2 के दुर्गा माता नगर में रोहिदास महाराज मंदिर में हुई।

उल्हासनगर 2 के दुर्गा माता नगर इलाके में रोहिदास महाराज मंदिर की खिड़की तोड़कर चोर रात के समय अंदर घुसे। मंदिर से दो सामइयां, दानपेटी और पंखे चोरी कर लिए गए। कुछ महीने पहले भी एक घटना हुई थी जिसमें चोरों ने मंदिर का लोहे का गेट तोड़कर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को चुरा लिया था। शिवसेना पदाधिकारी गणेश सालुंखे ने उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। स्थानीय नागरिकों ने भी मांग की है कि पुलिस इस इलाके में गश्त बढ़ाए।

कल्याण फाटा के पास नियंत्रण खोने से टैंकर दुर्घटनाग्रस्त

- ■ यातायात बाधित

कल्याण. शिलफाट में कल्याण फाटा के पास मंगलवार रात एक टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. टैंकर चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और सामने से गुजर रहे एक अज्ञात वाहन से टकरा गया। इस दुर्घटना के कारण कल्याण फाटा तक यातायात धीमी गति से चल रहा था। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ तथा टैंकर चालक, जो वाहन में फंसा हुआ था, को अग्निशमन कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

टैंकर चालक गुजरात से शिलफाटा के रास्ते डोंबिवली और कल्याण तक माल ले जा रहा था।

इस बार टैंकर में 24 टन एनिलिन रसायन था। इस रसायन का उपयोग रंगों, पॉलिमरों और फार्मास्यूटिकल्स सहित विभिन्न रसायनों के उत्पादन में किया जाता है। इस रसायन का परिवहन करते हुए टैंकर चालक मंगलवार रात करीब डेढ़ बजे शिलफाटा स्थित कल्याण फाटा के पास पहुंचा। उसी समय चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इससे टैंकर आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन से टकरा गया। दुर्घटना में टैंकर का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलने पर ठाणे शहर यातायात पुलिस अधिकारी और दमकल कर्मी पहुंचे। उनकी मदद से टैंकर के केबिन में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दुर्घटना के कारण ठाणे से कल्याण फाटा तक यातायात करीब 30 मिनट तक धीमा रहा। आधे घंटे की मशक्कत के बाद टीमें हाइड्रा डिवाइस की मदद से दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को किनारे करने में सफल रहीं और यातायात बहाल किया गया।

बदलापुर के डॉक्टर से 9 लाख रुपये की ठगी

कल्याण. नवी मुंबई के ऐरोली निवासी एक व्यक्ति ने बदलापुर निवासी एक डॉक्टर और उसके दोस्त से यह वादा कर 9 लाख 50 हजार रुपये ऐंठ लिए कि वे तीनों मिलकर एक सुपरमार्केट शुरू करेंगे। उन्होंने सुपरमार्केट न खोलकर मित्रों के साथ धोखाधड़ी की। 57 वर्षीय जालसाज नवी मुंबई के ऐरोली इलाके की एक चॉल में रहता है। धन का लेन-देन कल्याण पश्चिम में शहाड के पास प्रेम ऑटो सर्किल क्षेत्र में एक होटल में हुआ।

ठगी का शिकार हुए डॉक्टर बदलापुर पूर्व के गांधी चौक इलाके में रहते हैं। डॉक्टरों ने इस धोखाधड़ी के संबंध में कल्याण के महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। ठगी का शिकार हुए डॉक्टरों ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में दी गई अपनी शिकायत में कहा है कि ऐरोली के एक जाने-माने व्यक्ति ने उन्हें और उनके दोस्त को साझेदारी में सुपरमार्केट शुरू करने का लालच दिया था। इस सुपरमार्केट को शुरू करने के लिए पहले धन जुटाना होगा। इसके लिए तीनों ने मिलकर धन जुटाने का निर्णय लिया। सुपरमार्केट शुरू करने के लिए डॉक्टर और उनके दोस्त ने कुल नौ लाख 50 हजार रुपये दिए, जिन्होंने ऐरोली में सुपरमार्केट शुरू करने की पहल की।

बाद में डॉक्टर और उनके दोस्त इस्माइल पूछ रहे थे कि सुपरमार्केट कब खुलेगा। वह तरह-तरह के कारण बताकर समय बर्बाद कर रहा था। दोनों ने कहा कि यदि वे सुपरमार्केट नहीं खोलना चाहते तो वे हमारे पैसे वापस कर दें। वह सुपरमार्केट शुरू करने के लिए दृढ़ थे। सात साल बाद भी, जब सुपरमार्केट नहीं खुला, तो डॉक्टर और उसके दोस्त को शक हो गया। अपने साथ हुई धोखाधड़ी का विश्वास होने के बाद बदलापुर के डॉक्टरों ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

डिजिटल विज्ञापनों पर होगी कार्रवाई

- ■ प्रखर लाइट से वाहन चालकों को होती है परेशानी
- ■ दुर्घटना होने की होती है आशंका

> “पिछले कुछ महीनों में यातायात पुलिस विभाग के अधिकार क्षेत्र में प्रखर लाइट के डिजिटल विज्ञापन वाले कोई भी वाहन नहीं पाए गए हैं। यदि ऐसे विज्ञापन दिखे तो कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुलिस तैनात कर दी गई है।
>
> –**विजय पोवार**, यातायात सहायक पुलिस आयुक्त, उल्हासनगर पुलिस यातायात विभाग

उल्हासनगर. डिजिटल बिलबोर्ड का उपयोग विभिन्न उत्पादों के विज्ञापन के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। प्रखर लाइट के डिजिटल विज्ञापन के कारण दुर्घटनाएं होने की संभावना है, जिससे यात्रियों, वाहन चालकों एवं नागरिकों को असुविधा हो सकती है।

उल्हासनगर में जापानी, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल, जींस, फर्नीचर आदि बाजार प्रसिद्ध हैं और वहां खरीदारी करने वाले नागरिकों की हमेशा भीड़ रहती है। दुकानदार और विभिन्न कंपनियां नागरिकों को विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी देने के लिए प्रभावी डिजिटल विज्ञापन का उपयोग कर रही हैं। नेताजी चौक, 17 सेक्शन, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, शहाड-मुरबाद रोड, श्रीराम चौक और नेहरू चौक के क्षेत्रों में डिजिटल विज्ञापन लगाने का प्रयास किया गया। हालांकि मनपा अधिकारियों का कहना है कि मनपा और पुलिस ने कार्रवाई की है। राधास्वामी सत्संग चौक स्थित नए भवन में डिजिटल विज्ञापन का शुभारंभ किया गया। हालाँकि, शिकायत के बाद डिजिटल विज्ञापन रोक दिया गया।

शहरों और राजमार्गों पर लगे डिजिटल बिलबोर्ड की चमक अधिक है। डिजिटल बिलबोर्ड की चमक इतनी अधिक होती है कि इससे नागरिकों और वाहन चालकों की आंखों पर दबाव पड़ता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, एनिमेशन और गतिशील दृश्य डिजिटल बोर्ड पर लगातार प्रदर्शित होते रहते हैं। जिससे ड्राइवर का ध्यान भंग होता है। राजमार्ग पर ऐसे दृश्य दिखाने से गंभीर दुर्घटनाएं होने का खतरा रहता है।

बेटी ने माता-पिता पर दर्ज कराया धोखाधड़ी का मामला

कल्याण. शहाड़ इलाके में रहने वाली एक युवती ने अपने माता-पिता और भाई के खिलाफ 12 लाख 15 हजार रुपये के सोने के गहने हड़पने का आरोप लगाया है. युवती ने अपनी पहली शादी में मिले सोने के गहने अपने माता-पिता को सौंप दिए थे. बताया गया कि युवती अपने माता-पिता से पिछले 4 साल से गहने वापस मांग रही थी. लेकिन कथित रूप से माता पिता कोई न कोई बहाना देकर लौटाने से इनकार कर देते थे. जिससे नाराज युवती ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

ऑनलाइन कमाई के नाम पर 13.72 लाख रुपए की ठगी

बदलापुर. बदलापुर की एक महिला को टेलीग्राम के जरिए होटलों को फाइव स्टार रेटिंग देकर पैसा कमाने का लालच भारी पड़ गया है. साइबर चोरों ने इस महिला से 13 लाख 72 हजार रुपए की ठगी की है। इस मामले में बदलापुर ईस्ट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एक व्यक्ति ने इस महिला के फेसबुक अकाउंट पर एक लिंक भेजा था। उन्हें टेलीग्राम पर 'सुपर ग्रुप' में जोड़ा गया। उन्हें होटलों को पांच सितारा रेटिंग देने का काम सौंपा गया था। महिला को शुरुआती निवेश के बाद ऑनलाइन प्रतिदिन 1,600 रुपये का रिटर्न मिल रहा था। इसलिए इस महिला ने इस निवेश पर विश्वास करते हुए कम समय में अधिक पैसा कमाने के लिए अपने खाते से 13 लाख 72 हजार रुपये साइबर चोरों के विभिन्न खातों में जमा कर दिए। लेकिन बाद में उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है।

कल्याण कृषि उपज बाजार समिति पर महायुति का दबदबा

- ■ 18 में से 15 सीटों पर महायुति का कब्जा

कल्याण. प्रतिष्ठित कल्याण कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) चुनाव में महायुति के 18 में से 15 सदस्यों ने जीत हासिल कर मंडी समिति पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया। इस चुनाव में महाविकास अघाड़ी का एक उम्मीदवार और दो स्वतंत्र उम्मीदवार चुने गए हैं। इस चुनाव के लिए प्रचार पिछले दो महीने से चल रहा है। विधायक किसन कथोरे और राकांपा नेता प्रमोद हिंदुराव ने इस चुनाव को प्रतिष्ठित बना दिया।

सामान्य वर्ग से जीवनदीप कॉलेज के अध्यक्ष रवींद्र घोडविंडे, कपिल थले, भरत गोंधली, योगेश धूमल, अरुण पाटिल, जालिंदर पाटिल और मनोरमा पाटिल ने जीत हासिल की। महिला वर्ग में विद्या अरुण पाटिल और शारदा हरिश्चंद्र पाटिल ने जीत हासिल की। अन्य पिछड़ा वर्ग समूह से वसंत लोन जीते, और खानाबदोश वंचित जाति और जनजाति समूह से रवींद्र अव्हाड़ जीते। ग्राम पंचायत सामान्य समूह से नरेश सुरोशी और रविन्द्र भोईर, ग्राम पंचायत समूह से किशोर वाडेकर और आर्थिक रूप से कमजोर समूह से विजय सुरोशी विजयी हुए। व्यापार समूह से काशीनाथ नरवड़े और गिरीश पाटिल जीते। सामान्य कृषि, महिला समूह, अन्य पिछड़ा वर्ग, माथाडी, व्यापारी, अनुसूचित जाति, ग्राम पंचायत, व्यापारी जैसे विभिन्न समूहों से कुल 53 उम्मीदवार मैदान में थे। उनमें से 18 जीते।

इस बार कृषि बहुउद्देशीय संगठन के 244 सदस्यों ने मतदान किया। विशाल जाधव ने रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में काम किया। पूर्व मार्केट कमेटी निदेशक मयूर पाटिल, मधुकर मोहापे, शाहित मुल्ला, मोहन नाइक और भूषण जाधव हार गए। बाजार समिति में चर्चा है कि हारे हुए कुछ लोग दो साल पहले विधायक कथोरे के साथ हुए विवाद से प्रभावित हुए हैं। मंडी समिति का कुल कारोबार करीब 110 करोड़ रुपये का है।

मंडी समिति का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। 20 सहकारी समितियों के 244 मतदाताओं ने मतदान किया। 36 ग्राम पंचायतों के 1,783 मतदाताओं में से 140 मतदाताओं, जिनमें व्यापारी व व्यापारी वर्ग के 331 मतदाता शामिल थे, ने अपने वोट डाले। चुनाव प्रक्रिया मार्केट कमेटी हॉल में आयोजित की गई।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

संपादकीय

साठ फीसद खेती मानसून पर निर्भर

मौसम की अपनी गति होती है। बरसात के साथ गर्मी या ठंड के अनुमानित समय में थोड़ा आगे-पीछे होना एक प्राकृतिक चक्र रहा है। इस वर्ष मानसून के बारे में अनुमान लगाया जा रहा था कि इसका आगमन समय से थोड़ा पहले हो सकता है। अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है कि इस वर्ष रविवार को मानसून पूरे देश में अनुमान के मुकाबले नौ दिन पहले आ गया है। सन 2020 के बाद यह पहला मौका है, जब मानसून पूरे देश में इतनी जल्दी आ गया।

इससे पहले इस बार भारत के दक्षिणी छोर पर केरल तक मानसून दस दिन पहले ही पहुंच गया था। हालांकि कुछ दिनों पहले से दिल्ली और देश के कुछ अन्य हिस्सों में घने बादल छा रहे थे, लेकिन बारिश न होने की वजह से मौसम में नमी और गरमी ने लोगों को थोड़ा परेशान कर दिया था। लेकिन दो दिन देरी से सही, दिल्ली के कई इलाकों में खासी बारिश होने के बाद आइएमडी ने रविवार को मानसून के आगमन की घोषणा की। इसके साथ ही तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो इस वर्ष बारिश सामान्य से अधिक होगी। अपनी जरूरतों के लिए मानसून पर निर्भर देश के ज्यादातर इलाकों में बरसात पूर्वानुमानों के मुताबिक ही हो सकती है। जाहिर है, देश के जिन राज्यों में कृषि आमतौर पर बारिश के मौसम पर निर्भर है, उन इलाकों में भरपूर बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि भारत में साठ फीसद से ज्यादा खेती मानसून पर निर्भर है। धान, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर जैसी खरीफ की फसलें दक्षिण-पश्चिम मानसून पर ही निर्भर रहती हैं।

अब मानसून के जल्दी आने से फसलों की बुआई भी थोड़ा पहले होने की उम्मीद की जा सकती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि खरीफ की फसलें देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन के पचपन फीसद के बराबर हैं। इसके अलावा, लौटता मानसून भी गेहूं, चना, मटर, जौ वगैरह रबी फसलों के लिए काफी अहम होता है। यानी देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से मानसून और इस वर्ष इसके नौ दिन पहले आने की अहमियत को समझा सकता है।

राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव पर भारी

दक्षिण भारत में अक्सर राजनीतिक हित साधने के लिए हिंदी विरोध को एक कारगर हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब लगता है कि महाराष्ट्र की बारी है। जिन अहिंदी भाषी राज्यों में भी हिंदी बोलने-समझने वाले ही नहीं, हिंदी लिखनेवाले भी बड़ी संख्या में मिल जाते हैं, उनमें महाराष्ट्र अग्रणी है।

मूलतः मराठीभाषी हिंदी साहित्यकारों और पत्रकारों की संख्या भी कम नहीं है। जिस हिंदी सिनेमा की हिंदी भाषा के प्रसार में बड़ी भूमिका की बात कही जाती है, उसका केंद्र महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई ही है। मराठी मूल के असंख्य लोगों ने फिल्म निर्माण से लेकर अभिनय तक, हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम कमाया है।

दादा साहेब फाल्के को भारतीय फिल्म उद्योग का पितामह कहा जाता है। देश का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म सम्मान 'दादा साहेब फाल्के अवार्ड' उन्हीं की स्मृति में दिया जाता है। क्या वी. शांताराम के बिना हिंदी सिनेमा की कहानी कही जा सकती है? यह फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है।

महाराष्ट्र में अब त्रिभाषा फार्मूले के अंतर्गत स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने के फैसले को हिंदी थोपना बता कर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिनमें से दो भारतीय और तीसरी विदेशी होगी। नई शिक्षा नीति के अनुरूप ही त्रिभाषा फार्मूले को लागू करते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक

मराठी, हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाए जाने का फैसला लिया। इसका खासकर शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा जोरदार विरोध शुरू हो गया।

संकीर्ण राजनीति प्रेरित अतार्किक विरोध के आगे झुकते हुए महायुति सरकार ने अपने आदेश में संशोधन भी कर दिया कि विद्यार्थी मराठी और अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के रूप में हिंदी के बजाय कोई अन्य भारतीय भाषा भी चुन सकते हैं। इसके बावजूद महाराष्ट्र में हिंदी विरोध थमता नहीं दिख रहा। उद्धव की शिवसेना और राज की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अब मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने के विरोध में संयुक्त विरोध प्रदर्शन करने जा रही हैं।

अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए उद्धव और राज ठाकरे की तरह शरद पवार भी मराठी अस्मिता के भावनात्मक मुद्दे को भुनाने का मौका नहीं चूकना चाहते। हिंदी विरोधी प्रदर्शन को उन्होंने भी समर्थन का एलान कर दिया है। ऐसा ही दबाव अन्य विपक्षी दलों पर भी नजर आ रहा है, क्योंकि ऐसे भावनात्मक मुद्दे हमारी चुनावी राजनीति में वास्तविक मुद्दों पर भारी पड़ते रहे हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आरोप लगाया है कि अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में नई शिक्षा नीति को मंजूरी देने वाले उद्धव ठाकरे बीएमसी समेत आगामी नगर निगम चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए ही हिंदी विरोध को हवा दे रहे हैं। सच यह भी है कि बाला साहब ठाकरे द्वारा गठित शिवसेना की पहचान शुरू में हिंदी भाषा तथा गैर मराठी प्रवासियों के विरोधी की ही रही। मराठी अस्मिता के नाम पर ही शिवसेना ने महाराष्ट्र में अपने पैर पसारे, लेकिन पहले भाजपा से गठबंधन और फिर उससे तकरार के बाद कांग्रेस-राकांपा के साथ महा विकास अघाड़ी सरकार बनाने से वह पहचान धूमिल होती गई।

अब जबकि राज ठाकरे के साथ ही उद्धव ठाकरे के समक्ष भी राजनीतिक भविष्य का संकट खड़ा हो गया है, तब दोनों मिलकर हिंदी विरोध के जरिये मराठी अस्मिता के मुद्दे को धार दे कर पुनरुत्थान की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद दोनों ठाकरे भाइयों में एकता की चर्चाएं लगातार चलती रही हैं। हिंदी विरोध के रूप में उन्हें मनचाहा मुद्दा भी मिल गया है। बदलते सामाजिक-आर्थिक परिवेश में भाषाई संकीर्णता का यह मुद्दा कितना कारगर होगा, इसकी पहली परीक्षा बृहद मुंबई महापालिका यानी बीएमसी समेत कुछ नगर निगमों के निकट भविष्य में होनेवाले चुनावों में होगी। बीएमसी पर सभी दलों की नजर इसलिए भी रहती है कि उसका बजट देश के कई राज्यों से बड़ा है। आम धारणा है कि बीएमसी पर काबिज दल के लिए महाराष्ट्र में राजनीति करना आसान हो जाता है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

रैगिंग की वजह से नए विद्यार्थी दे देते हैं जान

शैक्षणिक संस्थानों में नए सत्र के विद्यार्थियों से पुराने छात्रों के परिचय की परंपरा पुरानी है, पर पिछले कुछ वर्षों से यह प्रताड़ना का पर्याय बनती गई है। इस नई परंपरा को रैगिंग कहा जाता है। कई संस्थानों में तो यह इस हद तक क्रूर देखी-पाई गई है कि कई नए विद्यार्थियों ने तंग आकर जान तक दे दी। इसे रोकने के लिए कड़े नियम-कायदे बनाए गए, इसके दोषी पाए जाने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाते हैं, जेल तक भेजने का प्रावधान है, उन्हें संस्थान से निलंबित कर दिया जाता है। फिर भी हैरानी की बात है कि परिचय की यह भयावह परिपाटी बंद नहीं हुई है।

विचित्र बात है कि इसे रोकने में देश के कई बड़े शैक्षणिक संस्थान भी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने चिह्नित किया है कि कई संस्थान रैगिंगरोधी नियमों का कड़ाई से पालन नहीं करते और न उन्होंने इसके व्यावहारिक उपाय कर रखे हैं। इसे लेकर यूजीसी ने चार आइआइटी, तीन आइआइएम सहित देश भर के नवासी शैक्षणिक संस्थानों को नोटिस जारी किया है। इनमें सत्रह राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान हैं। यूजीसी ने कहा है कि अगर इन संस्थानों ने तीस दिन के भीतर रैगिंगरोधी मानदंडों का अनुपालन नहीं किया तो उनकी वित्तीय सहायता

रोक दी जाएगी, उनकी मान्यता रद्द करने पर भी विचार किया जा सकता है।

दरअसल, रैगिंग की वजह से विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क को पहुंचने वाले आघात के मद्देनजर यूजीसी विनियमन के तहत नियम बनाया गया कि सभी शैक्षणिक संस्थान दाखिले के समय सभी विद्यार्थियों और उनके माता-पिता से रैगिंग में हिस्सा न लेने का शपथपत्र और हलफनामा जमा कराएंगे। मगर यूजीसी ने जांच में पाया है कि इस नियम को बने करीब पंद्रह वर्ष बीत जाने के बावजूद सभी संस्थान इसका ठीक से अनुपालन नहीं करते। यही नहीं, रैगिंग पर निगरानी रखने और उसे रोकने के लिए उनमें समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई है।

शैक्षणिक संस्थानों में नए सत्र के विद्यार्थियों से पुराने छात्रों के परिचय की परंपरा पुरानी है, पर पिछले कुछ वर्षों से यह प्रताड़ना का पर्याय बनती गई है। इस नई परंपरा को रैगिंग कहा जाता है। कई संस्थानों में तो यह इस हद तक क्रूर देखी-पाई गई है कि कई नए विद्यार्थियों ने तंग आकर जान तक दे दी। इसे रोकने के लिए कड़े नियम-कायदे बनाए गए, इसके दोषी पाए जाने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाते हैं, जेल तक भेजने का प्रावधान है, उन्हें संस्थान से निलंबित कर दिया जाता है। फिर भी हैरानी की बात है कि परिचय की यह भयावह परिपाटी बंद नहीं हुई है।

विचित्र बात है कि इसे रोकने में देश के कई बड़े शैक्षणिक संस्थान भी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने चिह्नित किया है कि कई संस्थान रैगिंगरोधी नियमों का कड़ाई से पालन नहीं करते और न उन्होंने इसके व्यावहारिक उपाय कर रखे हैं। इसे लेकर यूजीसी ने चार आइआइटी, तीन आइआइएम सहित देश भर के नवासी शैक्षणिक संस्थानों को नोटिस जारी किया है। इनमें सत्रह राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान हैं। यूजीसी ने कहा है कि अगर इन संस्थानों ने तीस दिन के भीतर रैगिंगरोधी मानदंडों का अनुपालन नहीं किया तो उनकी वित्तीय सहायता रोक दी जाएगी, उनकी मान्यता रद्द करने पर भी विचार किया जा सकता है।

दरअसल, रैगिंग की वजह से विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क को पहुंचने वाले आघात के मद्देनजर यूजीसी विनियमन के तहत नियम बनाया गया कि सभी शैक्षणिक संस्थान दाखिले के समय सभी विद्यार्थियों और उनके माता-पिता से रैगिंग में हिस्सा न लेने का शपथपत्र और हलफनामा जमा कराएंगे।

अपराधों में इस्तेमाल हुए चाकुओं से बनी है ये मूर्ति

दुनिया हर मूर्ति की एक अलग कहानी होती है. मूर्तिकार अपनी मेहनत से उसे आकार देते हैं, जो कि हर किसी

जरा हट के

के बस की बात नहीं होती है. मूर्ति किसकी बनी है. क्यों और कब बनाई गई थी. इसकी भी कहानियां होती हैं. कई मूर्तियां कुछ खास घटनाओं की साक्षी होती हैं या उन घटनाओं की वजह से बनी होती है और इसलिए ऐतिहासिक भी हो जाती है. वहीं कुछ अनोखे तरीके से बनाई जाती हैं तो इसलिए मशहूर हो जाती हैं. इंग्लैंड के ऑस्टवेस्टरी के ब्रिटिश आयरनवर्क सेंटर में यह मूर्ति कई लिहाज से दुनिया की इकलौती मूर्ति है. इसे ऐसे चाकुओं से बनाया गया है जिन्हें असली अपराधों में इस्तेमाल किया गया है. हर चाकू की अपनी एक दर्दनाक कहानी है.

क्या है यह मूर्ति?

इस मूर्ति को एल्फी ब्रैडले नाम के ब्रिटिश मूर्तिकार ने

बनाया है. नाइफ एंजेल के नाम से मशहूर इस मूर्ति को नेशनल मॉन्यूमेंट अगेंस्ट वॉयलेंस एंड एग्रेशन भी कहा जाता है. बताया जाता है कि इसे बनाने में कुल एक लाख चाकुओं और ब्लेड का इस्तेमाल हुआ है. यह मूर्ति चाकुओं के अपराधों और हिंसाओं के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतीक है. और यह ऐसे अपराधों में शिकार लोगों पर हुए प्रभावों की याद दिलाती है.

खास बात ये है कि ब्रैडले को इन चाकुओं को जमा करने में 10 साल का समय लगा था. यह मूर्ति 2018 में बन कर तैयार हुई थी. इस मूर्ति के चाकुओं की खास बात ये है कि इनमें से कई चाकू उस नाइफ बैंक के हैं, जिसमें सजा माफी के बाद लोग बिना अपनी पहचान जाहिर किए चाकू जमा कर जाते थे.

एक जगह नहीं रखी गई है मूर्ति

खास बात ये है कि यह मूर्ति बनने के बाद से एक ही जगह स्थापित नहीं की गई है. इसे ब्रिटेन के कई हिस्सों में नुमाइश के तौर पर रखा गया. फिलहाल ये ऑस्टवेस्टरी के ब्रिटिश आयरनवर्क सेंटर में रखी गई है. इससे पहले वह स्कॉटलैंड के पर्थ में रखी गई थी.

खाना-खजाना

चीज़ राइस कटलेट

सामग्री :

- 1 कप उबले चावल
- 1/2 कप उबला हुआ, मसला हुआ मक्का
- 2 बड़े चम्मच सूजी
- 1/4 चम्मच हल्दी
- नमक आवश्यकतानुसार
- 2 बड़े चम्मच वर्जिन जैतून का तेल
- 1 बड़ा प्याज
- 1 चम्मच लहसुन का पेस्ट
- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 चम्मच धनिया पाउडर
- आवश्यकतानुसार पनीर के टुकड़े

विधि :

एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें. अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और एक मिनट तक भूनें. अब लहसुन का पेस्ट डालें, मिलाएं और तब तक पकाएँ जब तक प्याज का रंग ट्रांसलूसेंट न हो जाए. अब पैन में उबले और मसले हुए स्वीट कॉर्न डालें. साथ ही लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक भी डालें. मिलाएं और कुछ मिनट तक पकाएं.

अब बचे हुए उबले चावल को एक बाउल में निकाल लें और अच्छे से मैश कर लें. सब्जियों के मिश्रण को कटोरे में डालें , साथ में 2 बड़े चम्मच भुनी हुई सूजी भी डालें. गाढ़ा मिश्रण बनाने के लिए अच्छी तरह मिलाएं.

अब मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बना लें, बीच में पनीर का एक छोटा टुकड़ा भरकर प्लेट में रख लें.

एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल गर्म करें. टिक्कियों को दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक तल लीजिए. पकने के बाद आपकी टिक्की परोसने के लिए तैयार है. टमाटर केचप और पुदीने की चटनी के साथ परोसें.

मधुमेह में खतरनाक हो सकते हैं कई फल और सब्जियां

जानें इस मौसम में क्या खाएं रोगी

इस मौसम में ढेर सारे फल-सब्जियां आती हैं, मगर डायबिटीज रोगियों को कई फल-सब्जी नुकसान भी करते हैं। ऐसे में उन्हें किन खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए? मधुमेह यानी डायबिटीज जीवन-शैली से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जो खान-पान से सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। आप भले ही दवाएं ले रही हों या इंसुलिन, लेकिन आपकी डाइट में क्या शामिल है, आप क्या खाती हैं और क्या नहीं, यह बेहद मायने रखता है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन (एडीए) के अनुसार, इस मौसम में जिन फलों, सब्जियों और पेय में फाइबर के साथ विटामिन की भरपूर मात्रा होती है और केमिकल कम होता है, उन का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए लाभकारी होता है।

कौन-कौन से फल

डायबिटीज के मरीजों को कुछ चुनिंदा फल खाने की ही अनुमति होती है, जिनमें से वे तरबूज, बेरीज, कीवी और अमरूद खा सकते हैं, क्योंकि इनका जीआई टैग कम होता है और ये ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रण करते हैं। इन फलों में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व, जैसे कि एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन ए, आयरन, कैल्शियम और पोटैशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो आपको ऊर्जा के साथ-साथ ठंडक भी देती है। गर्मियों में इन फलों के साथ कई तरह की बेरीज बाजार में मिलती है, जैसे कि स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और शहतूत। बेरीज में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड शुगर को बढ़ने नहीं देती। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों को फलों और सब्जियों के जूस के मुकाबले उनका साबुत रूप में सेवन करना चाहिए।

सब्जियों में क्या

डायबिटीज के रोगियों के लिए विभिन्न प्रकार की सब्जियों का सेवन करना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस मौसम में आपको अपने आहार में मुख्य रूप से खीरा, करेला, आंवला, धनिया, लौकी, अदरक और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करना चाहिए।

ये सब्जियां आपके शरीर को हाइड्रेट रखती हैं, विटामिन ए, विटामिन बी एवं फाइबर मुहैया कराती हैं और कैलोरी को कम करती हैं, जिससे ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। इन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और पाचन में सुधार लाते हैं, साथ ही हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन, मिनरल और फाइबर से भरपूर होती हैं, जिनमें कैलोरी कम होती है। इसलिए ये डायबिटीज के रोगियों के लिए उत्तम हैं।

पेय पदार्थ भी जान लें

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने के लिए हम तरह-तरह के पेय पीते हैं, लेकिन डायबिटीज रोगियों को इन पेय का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। डायबिटीज के मरीजों के लिए नमकीन लस्सी, बेल का शरबत, सत्तू का पानी, अदरक एवं नींबू पानी और खीरे एवं पुदीने का शरबत पीना सबसे उत्तम रहता है, क्योंकि इनमें नेचुरल फाइबर, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट और फॉलेट यानी फोलिक एसिड होती है। ये सभी ड्रिंक शुगर लेस होती हैं, जो आपको कूल रखती है और आप इनको बगैर किसी चिंता के पी सकती हैं। इनको आप ठंडे पानी, बर्फ के टुकड़े और जीरा पाउडर डालकर या अपनी पसंद के तरीके से बनाकर भी पी सकती हैं। ये पेय पदार्थ आपको हाइड्रेट रखते हैं और जरूरी पोषक तत्व भी मुहैया कराते हैं, जो कि ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

आज का राशिफल

मेष : यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन : आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक चिंता रहेगी।

कर्क कर्क : आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी।

सिंह : नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या : बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा। लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी।

मकर : मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। कहासुनी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन : उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बारिश में ऐसे करें किचन के सामान को स्टोर

नहीं होंगे जल्दी खराब

बारिश के मौसम में घरों में सीलन महसूस होती है। जिसकी वजह से रसोई मे रखे सामान जल्दी खराब हो जाते हैं। मसाले हों या फिर कॉफी, बिस्कुट, नमकीन जैसी काफी सारी चीजें नमी से खराब होने लगती हैं और दाल वगैरह में कीड़े लगने लगते हैं। इन सामान को स्टोर करने के लिए इन टिप्स की मदद लें। जो आसानी से सामान को बारिश में बचाकर रखने में मदद करेंगी।

एयरटाइट डिब्बे इस्तेमाल करें

बारिश के मौसम में सामान रखने के लिए डिब्बों का इस्तेमाल करें। अगर सामान ज्यादा जल्दी खराब हो जाता है डिब्बे का मुंह छोटा रखें। इससे डिब्बे में नमी कम जाएगी और सामान कम खराब होगा।

कॉफी को नमी से बचाने का उपाय

कॉफी को नमी से बचाना चाहती हैं तो डिब्बे में नैपकिन में करके चावल के कुछ दाने रख दें। इससे कॉफी में नमी नहीं होगी। साथ ही कॉफी में कभी भी स्टील का चम्मच डालकर कॉफी नहीं निकालनी चाहिए। स्टील के चम्मच की ठंडक भी कॉफी में नमी पैदा कर देती है।

बिस्कुट को नमी से कैसे बचाएं

बिस्कुट को डिब्बे के अंदर पैकेट सहित रखें और कुछ दाने चीनी के डाल दें। इससे बिस्कुट जल्दी नहीं नमी खाते हैं।

दाल को कीड़े लगने से कैसे बचाएं

दालों के सारे डिब्बे जिसमे मसूर, मूंग से लेकर चना राजमा तक शामिल है। उसमे तेजपत्ता के पत्ते डालें और साथ में माचिस की एक दो तीली डाल दें। इससे दालें खराब नहीं होंगी। हालांकि आटे के डिब्बे में केवल तेजपत्ता ही डालें।

परवल खाने के फायदे कर देंगे हैरान

वेट लॉस से लेकर ग्लोइंग स्किन में करता है मदद

परवल सिर्फ स्वाद ही नहीं सेहत के लिए भी यह काफी फायदेमंद है। फैट लॉस से लेकर ग्लोइंग स्किन तक, परवल खाने के कई फायदे हैं। आज हम आपको इसके ढेर सारे फायदे बताने वाले हैं जिन्हें सुनकर आप परवल को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से नहीं चुकेंगे।

कई विटामिन और फाइबर से भरपूर है परवल

गर्मियों के मौसम में हर किसी की फेवरेट सब्जी और सब्जियों की दुकान की शान, परवल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। परवल में विटामिन सी, फाइबर और पोटेशियम अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से शरीर को लगभग सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और शरीर स्वस्थ रहता है।

पाना चाहते हैं ग्लोइंग स्किन तो डाइट में करें शामिल

परवल में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स स्किन को ग्लो करने में मदद करते हैं। चेहरे पर बढ़ती उम्र का असर कम करने के लिए भी खाने में परवल को शामिल किया जा सकता है। इसे खाने से चेहरे के रिंकल्स, फाइन लाइंस और दाग–धब्बे खत्म होते हैं। गर्मी के मौसम में चेहरे पर जो डलनेस आ जाती है, परवल खाने से वो भी दूर हो जाती है और चेहरे पर निखार साफ नजर आता है।

परवल से ठीक होता है डाइजेशन, होता है वेट लॉस

परवल में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है जिससे डाइजेशन ठीक होता है और साथ ही कब्ज और एसिडिटी की प्रॉब्लम भी खत्म होती है। परवल खाने से पेट से जुड़ी समस्याओं में आराम मिलता है। इसके साथ ही इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और फैट भी नहीं पाया जाता है। अगर आपका वजन भी तेजी से बढ़ जाता है तो आपको अपनी डाइट में परवल जरूर शामिल करना चाहिए। परवल खाने से बढ़ते हुए वजन को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

दवा की तरह भी करता है काम

परवल की सब्जी एक हेल्थी डाइट तो है ही, साथ ही इसका इस्तेमाल कई तरह से दवा के रूप में भी किया जाता है। परवल के पौधे की जड़ को पीसकर इसका लेप सिर में लगाने से सिर दर्द की समस्या खत्म होती है। परवल को घी में पका कर खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है। इसकी सब्जी खाने से डायबिटीज भी कंट्रोल में रहता है। स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में भी परवल काफी मदद करता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां-बेटे की हत्या कर खुद को गोली से उड़ाया

आजमगढ़. लखनऊ के बाद आजमगढ़ में एक ही परिवार में तीन लोगों की मौत की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घरेलू कलह में एक युवक ने परिवार के चार लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद खुद को भी गोली से उड़ा लिया। वारदात में मां-बेटे की मौत हो गई। सात साल की बेटी की हालत गंभीर है। पत्नी पर भी गोली चलाई लेकिन उसने भागकर अपनी जान बचा ली। वारदात को अंजाम देने वाला युवक वाराणसी में पेट्रोल पंप पर काम करता है। घटना जहानागंज कस्बे के मुस्तफाबाद में हुई। मंगलवार की दोपहर शराब के नशे में वह घर पहुंचा और परिवार वालों पर ताबड़तोड़ गोली चलाने लगा। अपनी मां और चार साल के बेटे के अलावा सात साल की बेटी को गोली मारने के बाद पत्नी पर भी फायरिंग की लेकिन वह भाग निकली। इसके बाद खुद को गोली से उड़ा लिया। मां और खुद गोली चलाने वाले युवक की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल के बेटे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। सात साल की बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है।

दोस्त संग मिलकर गर्लफ्रेंड के पति की आंखें फोड़ी

यूपी में लव अफेयर में एक और खौफनाक वारदात सामने आई है। जहां एक शख्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर शादीशुदा प्रेमिका के पति को जान से मारने की कोशिश की। युवक ने सरिया से आंखें फोड़ दी फिर उसके पैरों में सरिया मारकर फ्रैक्चर कर दिया। ये मामला टूंडला क्षेत्र क नगला सिंघी का है। जहां रविवार देर रात प्रेम प्रसंग के चलते दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। चूड़ी का काम करने वाला युवक अपनी पत्नी के साथ खेत पर गया था, तभी गांव के ही दो युवकों ने उस पर लोहे की सरिया से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने युवक की आंख में सरिया मारकर उसे फोड़ दिया और पैरों पर वार कर फ्रैक्चर कर दिया। युवक की चीख सुनकर खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़े और उसकी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले टूंडला के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत बिगड़ने पर आगरा रेफर कर दिया गया।

यूपी में दर्दनाक हादसा, ढाबे में घुसी हाई स्पीड कार, प्रेमिका का बर्थडे मनाने आए प्रेमी की मौत

हापुड. यूपी के हापुड जिले में बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग नौ पर अनियंत्रित होकर एक कार राजा जी ढाबे में घुस गई। कार की चपेट में आकर ढाबे में प्रेमिका का जन्मदिन मनाने आए प्रेमी की मौत हो गई। वहीं, प्रेमिका समेत दो अन्य लोग भी घायल हो गए। हादसे से मौके पर मौजूद लोगों में अफरी तफरी मच गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाया। वहीं, घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। जिला बुलंदशहर के थाना सहकारी नगर के गांव फरादपुर निवासी अजीतपाल (34 वर्षीय) का प्रेम प्रसंग एक युवती से चल रहा था। सोमवार को प्रेमिका का जन्मदिन था। जन्मदिन मनाने अजीत पाल और उसकी प्रेमिका थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग -9 स्थित राजा जी ढाबे में आए थे। जहां देर रात प्रेमिका ने अपना जन्मदिन का केक काटा था।

भाजपा के 9 प्रदेशाध्यक्ष का ऐलान अगले 2 दिन में

- **राजीव बिंदल तीसरी बार हिमाचल के अध्यक्ष बने**
- **महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड की लगातार दूसरी बार कमान**

नई दिल्ली. भाजपा ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए हैं। राजीव बिंदल को तीसरी बार हिमाचल की कमान दी गई है। जबकि महेंद्र भट्ट को दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बनाया गया है। दोनों राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। हालांकि अभी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में अध्यक्ष के नाम का ऐलान बाकी है।

तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद है। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दमन दीव और लद्दाख में मंगलवार को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन होंगे। बुधवार को इन राज्यों के अध्यक्ष घोषित हो जाएंगे।

2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। भाजपा के

महाराष्ट्र से रवींद्र चव्हाण ने सोमवार को नॉमिनेशन किया।

संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50% राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है।

फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से अब तक 14 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। मंगलवार को 19 राज्यों के अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जुलाई में चुने जा सकते हैं।

नड्डा का कार्यकाल जून 2024 में खत्म हो चुका

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है।
जेपी नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे।

- **सात राज्यों में अध्यक्ष के नाम तय**

सोमवार को उत्तराखंड में मौजूदा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, हिमाचल में राजीव बिंदल ने नामांकन कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्र प्रदेश में पीवीएन माधव और तेलंगाना में रामचंद्र राव ने नामांकन किया है। दूसरी ओर, सोमवार को पुड्डुचेरी में वीपी रामलिंगम को प्रदेश बनाया गया। वहीं, मिजोरम में हाल ही में भाजपा में शामिल पूर्व मंत्री के. बैचुआ अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

इस्लामिक देश कजाखस्तान में लगा चेहरा ढकने पर बैन

मुस्लिम बहुल देश कजाखस्तान में चेहरा ढकने पर रोक लगा दी गई है। पीएम कासिम जोमार्ट तोकायेव ने उस कानून पर मुहर लगा दी है, जिसके तहत कजाखस्तान में कोई भी अपना चेहरा नहीं ढक सकेगा। यह खबर इसलिए अहम है क्योंकि इस्लामिक देशों में हिजाब का प्रचलन रहा है। ऐसे में कजाखस्तान सरकार का यह फैसला दिलचस्प है और दुनिया भर में इसकी चर्चा हो रही है। इस फैसले को लेकर कजाखस्तान सरकार की दलील है कि चेहरा ढकने पर फेशियल रिकॉग्निशन की तकनीक काम नहीं करती है, जो कई जगहों पर जरूरी है। ऐसे में किसी बीमारी की स्थिति, मौसम खराब होने या फिर खेल-कूद आदि के अलावा

चेहरा ढकने की परमिशन नहीं होगी।

कभी सोवियत संघ का हिस्सा रहे कजाखस्तान में लंबे समय से मांग होती रही है कि हमें अपनी संस्कृति का पालन करना चाहिए। भले ही कजाखस्तान की आबादी में मुस्लिमों की सबसे अधिक संख्या है, लेकिन देश की संस्कृति पर आज भी सोवियत मूल्यों का प्रभाव है। चेहरा ढकने पर रोक को लेकर पारित कानून में किसी एक मजहब या उसकी ड्रेस का जिक्र नहीं किया गया है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि चेहरा ढकने पर पाबंदी रहेगी। पीएम तोकायेव ने इस कानून की सराहना की है। उनका कहना है कि इससे हम अपनी कजाख पहचान को मजबूत कर पाएंगे। आज भी कजाखस्तान पर सोवियत मूल्यों का असर दिखता है। पीएम कासिम जोमार्ट तोकायेव ने कहा कि चेहरे को ढकने वाले काले कपड़े पहनने से बेहतर यह होगी कि हमारी कजाख शैली के कपड़े पहने जाएं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और परिधानों को बढ़ावा देना चाहिए। कजाखस्तान सरकार के इस फैसले को प्रगतिशील नजरिए से देखा जा रहा है.

शिवाकाशी की पटाखा फैक्ट्री में धमाका

- **अब तक 5 की मौत, 4 की हालत गंभीर**

शिवकाशी. तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

बताया जा रहा है कि कुछ लोग और फंसे हो सकते हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विरुधुनगर जिले के एसपी कन्नन ने बताया कि शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ। हादसे के बाद फैक्ट्री से लगातार धुएं का गुबार उठता दिखा और अंदर पटाखों के फटने की आवाजें आती रहीं। घटना की जांच की जा रही है।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाका-

मौत का आंकड़ा 36 हुआ

- **मलबे से 31 शव निकाले गए**

संगारेड्डी. तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं।

संगारेड्डी के SP परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने PM नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों

को 50 हजार की मदद की घोषणा की थी।

इधर, तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

कर्नाटक CM पद पर फिर विवाद

डिप्टी CM शिवकुमार के करीबी MLA का दावा- 100 विधायक साथ

- **खड़गे बोले- CM बदलने का फैसला आलाकमान करेगा**

बंगलूरु. कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलुरु दौरे पर पहुंचे हैं और लगातार पार्टी विधायकों से मीटिंग कर रहे हैं।

डिप्टी CM डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि करीब 100 विधायक मुख्यमंत्री बदलने के पक्ष में हैं। अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 का चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। हुसैन ने NDTV से बातचीत में कहा,
हम सुरजेवाला से यह मुद्दा खुलकर उठाएंगे। शिवकुमार ने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और उन्हें अब CM बनने का मौका मिलना चाहिए।

दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत में डीके शिवकुमार की अहम भूमिका रही थी। तब वे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी हाईकमान के कहने पर उन्होंने डिप्टी CM और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की।

उस समय रोटेशनल CM फॉर्मूले की बात भी सामने आई थी, लेकिन इसे कभी सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं मिली। अब एक बार फिर यह मुद्दा खुलकर सतह पर आ गया है।

सुरजेवाला बोले- राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की बात सिर्फ कल्पना

रणदीप सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। उनके इस दौरे को CM और डिप्टी CM में बढ़ रही दरार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया और 'अपने दौरे को 'संगठनात्मक समीक्षा' बताया। उन्होंने मीडिया से नेतृत्व परिवर्तन की बात को कल्पना कहा।

रेसलर विनेश फोगाट मां बनीं, बेटे को जन्म दिया

नई दिल्ली. हरियाणा की रेसलर और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट मां बन गई हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह 9 बजे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। विनेश को कल शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विनेश के ससुर राजपाल राठी ने बताया कि ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई है। फिलहाल, मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। विनेश फोगाट ने 6 मार्च 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए की थी। उन्होंने पति सोमवीर राठी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था, ऑवर लव स्टोरी कंटिन्यू विद न्यू चैप्टर (एक नए अध्याय के साथ हमारी प्रेम कहानी जारी है)। पोस्ट में उन्होंने बच्चे के पैरों के निशान और प्यार का प्रतीक भी शेयर किया था।

विनेश फोगाट ने 2024 में पेरिस ओलिंपिक में भाग लिया था। वहां विनेश ने 50 किग्रा वेट कैटेगरी में 6 अगस्त 2024 को एक ही दिन में 3 मैच खेले थे। प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक की चैंपियन यूई सुसाकी को हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने यूक्रेन और सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर को पटखनी दी। विनेश फाइनल में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला रेसलर बनीं थीं।

तुर्किये में पैगंबर के कथित कार्टून पर विवाद

- **मिसाइलों की बारिश के बीच मूसा से हाथ मिलाते दिखाया**
- **कार्टूनिस्ट समेत 4 गिरफ्तार**

तुर्किये में पैगंबर मुहम्मद का कार्टून छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, लेमन मैगजीन ने 26 जून को एक कार्टून पब्लिश किया था, जिसमें पैगंबर मुहम्मद और पैगंबर मूसा जैसे दिखने वाले दो शख्स को आसमान से गिरती मिसाइलों के बीच हवा में हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून के सामने आने के बाद पूरे तुर्किये में लोगों का गुस्सा भड़क गया।

गुस्साए लोगों ने इस्तांबुल में लेमन मैगजीन के ऑफिस के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वे 'दांत के बदले दांत, खून के बदला खून' के नारे लगा रहे थे।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने, जो एक इस्लामिक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, पत्रिका के दफ्तर पर पत्थरबाजी भी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट डोगन पहलवान को गिरफ्तार कल लिया है। इसके अलावा लेमन के चीफ एडिटर, मैनेजिंग एडिटर और ग्राफिक डिजाइनर की भी गिरफ्तारी हुई है।

सरकार बोली- यह फ्रीडम ऑफ स्पीच नहीं

घटना के बाद तुर्किये के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने बयान जारी कर कहा कि यह प्रेस की आजादी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। तुर्किये के न्याय मंत्री यिलमाज टुंक ने कहा कि इस तरह के कार्टून धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का अपमान करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना बनाकर किसी धर्म के प्रतीकों का अपमान नहीं कर सकता।
गृह मंत्री येरलिकाया ने कहा कि वे पैगंबर साहब का मजाक उड़ाने वाले इस शर्मनाक कार्टून की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें हमारे धार्मिक भावनाओं का अपमान करती हैं। मुसलमानों के दिल को ठेस पहुंचाती हैं। ये काम लोगों को भड़काने वाले हैं, और जो ऐसा करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून के सामने जवाब देना होगा।

धोनी कैप्टन कूल नाम को ट्रेडमार्क करा रहे

- **वकील बोले- यह नाम MSD के साथ बरसों से जुड़ा**

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया है। अगर उन्हें इस शब्द के ट्रेडमार्क राइट्स मिल जाते हैं तो कैप्टन कूल शब्द का प्रयोग कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी।

धोनी ने 5 जून को ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा किया। वे कोचिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए 'कैप्टन कूल' का उपयोग करने के लिए विशेष अधिकार चाहते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान के आवेदन को शुरुआत में ट्रेड मार्क्स अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बाधा का सामना करना पड़ा क्योंकि इस नाम से पहले ही एक ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड था। ऐसे में नए ट्रेड मार्क से लोग भ्रमित हो सकते थे। धोनी के वकीलों ने तर्क दिया कि 'कैप्टन कूल' नाम धोनी से पिछले कई सालों से जुड़ा हुआ है। इसे जनता, मीडिया और प्रशंसकों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है।

धोनी को फैंस ने दिया कैप्टन कूल का टैग

धोनी को कैप्टन कूल का टैग उनके फैंस और मीडिया ने दिया था। वे अपनी कप्तानी के दौरान मैदान पर काफी शांत नजर आते थे। मैच की परिस्थिति चाहे जितनी कठिन हो धोनी ठंडे दिमाग से ही फैसले लेते थे। यही कारण था कि उन्हें कैप्टन कूल के नाम से जाना जाने लगा।

वे 5 फैसले, जिनसे धोनी कैप्टन कूल कहलाए

2007ः जोगिंदर को आखिरी ओवर दिया

2011 : वर्ल्डकप फाइनल में बैटिंग ऑर्डर बदला

2012ः टेस्ट सीरीज 4-0 से हारे, मीडिया की तीखे सवालों पर शांत रहे

2016 : बांग्लादेश के खिलाफ रनआउट से जिताया

2018ः वापसी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को चैंपियन बनाया

सब धंधा बंद करके साउथ अफ्रीका ही लौटना पड़ेगा

- **डोनाल्ड ट्रंप की एलन मस्क को सबसे बड़ी धमकी**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद माने जाने वाले उद्योगपति एलन मस्क के भविष्य पर तलवार लटक रही है। ट्रंप ने उन्हें इशारों में धमकी दी है और कहा है कि उन्हें अपनी 'दुकान बंद' करनी पड़ सकती है। चुनाव के बाद अमेरिकी प्रशासन में अहम जिम्मेदारी संभालने के बाद ट्रंप और मस्क के बीच रिश्ते तल्ख हो गए थे। इसकी वजह EV यानी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को लेकर नीति बताई जा रही है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'राष्ट्रपति के तौर पर मेरा प्रचार करने से पहले एलन मस्क जानते थे कि मैं ईवी मेन्डेट के सख्त खिलाफ हूं। यह बकवास है और हमेशा मेरे प्रचार अभियान का हिस्सा रहा था। इलेक्ट्रिक कार ठीक हैं, लेकिन सभी को एक

खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। एलन को इतिहास में किसी से भी ज्यादा सब्सिडी मिल सकती थी और बगैर सब्सिडी के एलन को शायद अपनी दुकान बंद कर घर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ सकता है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'कोई रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट्स या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन नहीं और हमारे देश का काफी पैसा बचेगा। शायद DOGE को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहुत पैसा बचेगा।'

एक दिन पहले ही मस्क ने ट्रंप सरकार के बिल पर आपत्ति जताई थी और नई पार्टी बनाने के संकेत दिए थे। मस्क ने बताया कि 'पागलपन भरे विधेयक' में रिकॉर्ड पांच लाख करोड़ डॉलर की ऋण सीमा वृद्धि से आम अमेरिकियों को बहुत नुकसान होगा।

उन्होंने लिखा, 'इस विधेयक के पागलपन भरे खर्च से यह स्पष्ट है जो ऋण सीमा को रिकॉर्ड पांच ट्रिलियन डॉलर (पांच लाख करोड़ डॉलर) तक बढ़ाता है कि हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं - पोर्की पिग पार्टी! एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है।'

ब्रोकर शिलोम ने सोनम-राज के कहने पर हटाए थे सबूत

MP से राजा मर्डर केस से जुड़े सबूत लेकर मेघालय पुलिस दूसरी बार रवाना

इंदौर. राजा रघुवंशी मर्डर केस में इंदौर के आरोपी कॉन्ट्रैक्टर-ब्रोकर शिलोम जेम्स को लेकर शिलॉन्ग पुलिस दूसरी बार सबूतों के साथ रवाना हो गई। इस बार पुलिस के हाथ सोनम के जेवर, लैपटॉप और एक पेन ड्राइव लगी है, जिसमें सोनम के बिजनेस के डिजिटल एविडेंस हैं।

शिलॉन्ग पुलिस को शंका है कि शिलोम ने लालच में आकर राज और सोनम के कहने पर पूरे सबूत मिटाए थे। ऐसे में पुलिस उसकी रिमांड बढ़ाने की अपील कर सकती है। वहीं, शिलॉन्ग पुलिस ने केस में अभी और आरोपी बढ़ने की बात से इनकार भी नहीं किया है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में कई तरह के मोड़ आए, जिसमें सोनम,

राज, विशाल और अन्य आरोपियों के पकड़ाने के बाद मददगारों के नाम खुलते गए। शिलोम और लोकेंद्र के नाम भी उन मददगारों में शामिल हुए हैं। शिलोम की निशानदेही पर लोकेंद्र को आरोपी बनाया। सामने आने के बाद शिलोम ने पिस्टल और रुपए की जानकारी दी।

शिलॉन्ग में जब शिलोम की रिमांड लेकर पूछताछ हुई तो जेवर, लैपटॉप और पेन ड्राइव के रतलाम में होने की बात सामने आई। पुलिस के लिए ये चीजें हत्याकांड के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए दूसरा आधार बनीं। इन सभी सबूतों को लेकर मेघालय पुलिस दूसरी बार इंदौर से रवाना हो गई है।

हवाला कारोबार के खुल सकते हैं राज

सोनम ने सबसे पहले हवाला के जरिए ही 50 हजार का भुगतान राज को कराया था। इसमें पीथमपुर के एक व्यापारी का नाम सामने आया।
सोनम का भाई गोविंद इस बात से इनकार करते रहा, लेकिन बाद में सोनम ने शिलॉन्ग पुलिस की पूछताछ में कई राज खोले, जो सबूत के तौर पर केस फाइल में कोर्ट में पेश किए जाएंगे।
सोनम हवाला कारोबार में सक्रिय थी। उसके लैपटॉप और पेन ड्राइव में कई तरह की जानकारी है।

निहंगों का झगड़ा, छुड़ाने आए पुलिसकर्मी को पीटा

फतेहगढ़ साहिब. उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के पास हेमकुंड साहिब के दर्शन को आए निहंग सिखों और एक स्थानीय व्यापारी के बीच सोमवार को स्कूटर को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान जब एक पुलिस अधिकारी बीच-बचाव करने पहुंचे, तो उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, निहंगों ने व्यापारी पर तलवार से हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। बाद में जब पुलिस ने निहंगों को थाने के पास रोका, तो बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 निहंग सिखों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस आई तो उन पर भी किया गया हमला

स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब यह पता चला कि निहंग श्रद्धालुओं के पास तलवारों, खंजरों के अलावा कुल्हाड़ी, बड़ी दोधारी तलवारें, चाकू और कुल्हाड़ियों सहित कई धारदार हथियार थे। दोनों पक्षों के बीच गरमा-गरम बहस हुई, जो जल्दी ही हाथापाई में बदल गई। जब पुलिस ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो अमृतपाल नाम के एक निहंग ने कथित तौर पर एक सीनियर सब-इंस्पेक्टर के सिर पर तेज चाकू से हमला कर दिया।

संक्षेप...

विवाहित महिला ने की आत्महत्या, पति समेत दो गिरफ्तार

मुंब्रा. विवाहित महिला द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है, जो महाराष्ट्र के परली की रहने वाली है। मिली जानकारी के मुताबिक शादी के बाद महिला मुंब्रा खड़ी मशीन रोड परिसर स्थित कालोनी में रहती थी। गत दिवस के घर में फांसी लगाकर महिला ने खुदकुशी कर ली। जिसको लेकर मायके वालों ने संदेह जताया था। उनका कहना है कि मेरी बेटी समझदार थी, वह ऐसा कदम नहीं उठा सकती। अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। इस मामले में पति और सास के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

नाना पटोले पूरे दिन के लिए सस्पेंड

■ महाराष्ट्र मानसून सत्र: विधानसभा में हंगामा

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान मंगलवार (1 जुलाई) को जमकर हंगामा हुआ. इस वजह से असेंबली को 5 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया. वहीं इस दौरान विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कांग्रेस विधायक नाना पटोले को आज दिनभर के लिए विधानसभा से सस्पेंड कर दिया गया.

नाना पटोले ने शक्तिपीठ हाईवे योजना और किसानों के मुद्दे पर आवाज़ उठाते हुए स्पीकर के पास रखे राजदंड को हांथ लगाया इसलिए उन्हें सस्पेंड किया गया. वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया. विपक्ष ने कहा कि जब तक सरकार बबनराव लोणीकर के बयान के लिए माफी नहीं मांगती, वे सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे.

नाना पटोले की क्या गलती थी- वडेट्टीवार

वहीं कांग्रेस विधायक नाना पटोले को एक दिन के लिए विधानसभा से निलंबित किए जाने पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, नाना पटोले ने क्या गलती की? उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया. अगर हमें विधानसभा में किसानों के मुद्दे को लेकर बोलने का मौका नहीं दिया जाता है और हम इसके लिए आग्रही भूमिका रखते हैं, तो क्या हमें निलंबित किया जाना चाहिए?

उन्होंने कहा कि हमने किसानों के मुद्दे उठाए हैं और सरकार से किसानों से माफी मांगने को कहा है, लेकिन सरकार ने इस मामले में नाना पटोले को निलंबित कर दिया. इसलिए, हम इसका बहिष्कार कर रहे हैं.

'की थी किसानों से माफी मांगने की मांग'

वडेट्टीवार ने कहा कि हमारी मांग यही थी कि बीजेपी के विधायक ने जो किसानों का अपमान किया उन्हें अपशब्द कहे, वो किसानों से माफी मांगें. हमने सरकार से यही मांग रखी थी, लेकिन सरकार ने उल्टा नाना पटोले को सस्पेंड कर दिया.

कैलाश मानसरोवर यात्रा में सबसे पहले भिवंडी की महिलाएं हुई शामिल

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा 15 जुलाई 2025 से फिर शुरू हो गई है.देश भर में सबसे पहले भिवंडी से महिलाओं का समूह तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ.यह समूह चीनी क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है. कोरोना महामारी के कारण 2020 से तीर्थयात्रा पर प्रतिबंध लगा था. प्रतिबंध हटा दिए जाने के कारण श्रद्धालुओं को कैलाश मान सरोवर यात्रा करने का सौभाग्य भक्तों को मिल रहा है. देश भर से भिवंडी की महिलाओं का पहला समूह तीर्थयात्रा के लिए चीनी क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है. महिला समूह में डी.वाई. फाउंडेशन की महिला अध्यक्ष प्रियंका दयानंद चोरघे और अन्य महिला सदस्य शामिल हैं. प्रियंका चोरघे ने कहा है कि भगवान शिव ने कृपा की है. भगवान शिव की कृपा से उन्हें पहली तीर्थयात्री बनने का सौभाग्य मिला है. प्रियंका चोरघे ने कहा है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा आध्यात्मिकता का एक उच्च अनुभव है. मानसरोवर यात्रा का आयोजन भिवंडी तालुका के कोनगांव की सरपंच रेखा सदाशिव पाटिल ने किया है.

ठाणे मनपा मुख्यालय पर गीले कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया शुरू

■ स्वर्णलता मदरसन ट्रस्ट के सीएसआर फंड से परियोजना कार्यान्वित

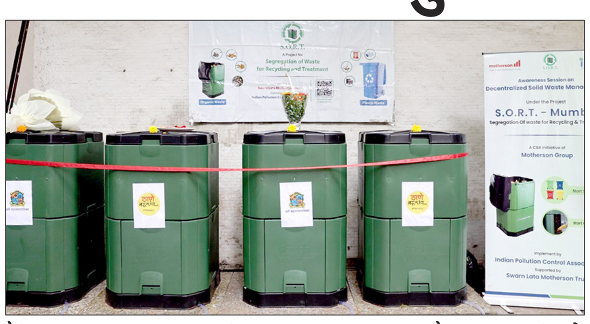

ठाणे. मनपा मुख्यालय की कैंटीन में उत्पन्न गीले कचरे से मुख्यालय परिसर में खाद बनाने की परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना का प्रबंधन घनकचरा विभाग द्वारा किया जा रहा है। यह परियोजना स्वर्णलता मदरसन ट्रस्ट के सीएसआर फंड से भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। इस पहल के तहत मुख्यालय परिसर में 400 लीटर क्षमता वाली चार कंपोस्टिंग एरोबिक इकाइयां स्थापित की गई हैं। इस प्रणाली की निगरानी और दैनिक रखरखाव घनकचरा विभाग के कर्मचारियों और कैंटीन कर्मचारियों के समन्वय से किया जा रहा है, यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे ने दी है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल इस बात का प्रमाण है कि जिस परिसर में कचरा उत्पन्न होता है, वहां कचरे का पृथक्करण और प्रबंधन संभव है।आवास परिसरों के प्रतिनिधियों को परियोजना का निरीक्षण करने का अवसर।घनकचरा विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस लिंक https://forms.gle/DJ2zuhxx83S3aBsD9 पर रजिस्टर करें ताकि परियोजना पर आने का समय निर्धारित किया जा सके।

ठाणे. महाराष्ट्र के हरित क्रांति के प्रणेता पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नाईक की जयंती पर आज अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल ने अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।जिलाधिकारी कार्यालय में पाटिल ने तहसीलदार रेवण लेंभे और कार्यालय के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्वर्गीय वसंतराव नाईक के फोटो पर हार फूल अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।स्वर्गीय वसंतराव नाईक की जयंती को कृषि दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने अपनी शुभकामनाएं दी।

भिवंडी-वाडा रोड की खराब हालत को लेकर भाजपा उतरी सड़क पर

अनगांव में भाजपा का चक्का जाम आंदोलन व प्रदर्शन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी वाडा रोड की बेहद खस्ताहालत पिछले कई सालों से वाहन चालकों, नौकरी पेशा कर्मचारियों और छात्रों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है. कई बार विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं. विरोध के बावजूद भ्रष्ट ठेकेदारों और लोक निर्माण विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई. भाजपा ग्रामीण उत्तर मंडल अध्यक्ष नीलेश गुरव के नेतृत्व में अनगांव में चक्का जाम आंदोलन किया गया.करीब एक घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन में ग्रामीण भाजपा के पदाधिकारी पी के म्हात्रे, रामनाथ पाटिल, शांताराम पाटिल, गुरुनाथ जाधव, महिला अध्यक्ष रवीना जाधव, नमिता गुरव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए. विरोध प्रदर्शन के कारण इस सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई. गणेशपुरी पुलिस स्टेशन के प्रभारी कमलेश बच्छव को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा गया.भाजपा सरकार ने इस सड़क के कंक्रीटिंग के लिए 881 करोड़ रुपये का फंड मुहैया कराया, इसका शिलान्यास भी हुआ. मरम्मत के नाम पर भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों ने घटिया काम कर पैसा डकार लिया गया.सड़क बदहाल की वजह से सड़क दुर्घटनाएं हुई जिसमें 81 लोगों की जान चली गई. भाजपा मंडल अध्यक्ष नीलेश गुरव ने कहा कि हमें विरोध प्रदर्शन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि विधान परिषद में भ्रष्ट ठेकेदारों को काली सूची में डालने की घोषणा की गई है.हमारी मांग है कि इसे लागू कर संबंधित ठेकेदारों को तुरंत काली सूची में डाल कर कड़ी करवाई की जाय.

1.5 लाख गोविंदाओं को मिलेगा बीमा कवर -प्रताप सरनाईक

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. इस वर्ष गोकुलाष्टमी की पृष्ठभूमि में सरकार ने राज्य के उपमुख्यमंत्री और इस उत्सव के प्रायोजक एकनाथ शिंदे से राज्य के 1.5 लाख गोविंदाओं को बीमा कवर प्रदान करने का अनुरोध किया है और इस संबंध में सरकार द्वारा जल्द ही निर्णय की घोषणा की जाएगी। यह जानकारी महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी।मंत्री सरनाईक ने कहा कि गोविंदा उत्सव महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण उत्सव है और इसमें हजारों युवा भाग लेते हैं। गोविंदा खेलते समय कई लोग दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इस पृष्ठभूमि में, युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने मांग की थी कि गोविंदा दस्ते के खिलाड़ियों को चिकित्सा उपचार और बीमा कवर सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार बीमा कवर के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करे। राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें इस संबंध में एक लिखित आवेदन पत्र दिया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इस पर सकारात्मक रुख दिखाया है और आश्वासन दिया है कि सरकार जल्द ही राज्य के डेढ़ लाख गोविंदाओं को बीमा कवर देने का निर्णय लेगी।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि हर साल गोकुलाष्टमी के अवसर पर हजारों गोविंदा दल सड़कों पर उतरते हैं। इस दौरान संभावित दुर्घटनाओं के मामले में तत्काल चिकित्सा सहायता और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले साल भी गोविंदा उत्सव की पृष्ठभूमि में इसी तरह की धनराशि प्रदान की गई थी।

यह निर्णय गोविंदा उत्सव की सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक कदम है, जिससे उत्सव में भाग लेने वाले युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा।यह प्रतिक्रिया युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने की है।

सिविल अस्पताल में बच्ची की सफल प्लास्टिक सर्जरी

भिवंडी की 6 वर्षीय बच्ची की जुड़ी हुई अंगुलियों को मिला नया जीवन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. जन्मजात जुड़ी हुई अंगुलियां भविष्य में समस्या पैदा कर सकती हैं। हालांकि समय पर सर्जरी जरूरी है, लेकिन जुड़ी हुई अंगुलियों की प्लास्टिक सर्जरी महंगी है। लेकिन आम लोगों के लिए अब सिविल अस्पताल में ऐसी सर्जरी की जा रही है और अस्पताल में भिवंडी की एक बच्ची की सफल प्लास्टिक सर्जरी के बाद उसके बाएं हाथ की दोनों जुड़ी हुई अंगुलियां अब स्वतंत्र रूप से चलने लगेंगी। भिवंडी इलाके में रहने वाली छह वर्षीय अंजू (बदला हुआ नाम) के दोनों हाथों की बीच वाली और बगल वाली अंगुलियां तथा पैर की छोटी उंगली और बगल वाली अंगुलियां आपस में चिपकी हुई थीं। इस वजह से उसे लिखने, खेलने और सामान उठाने जैसी बुनियादी हरकतें करने में भी दिक्कत आ रही थी। उसके माता-पिता उसकी स्थिति को लेकर चिंतित थे, लेकिन वे इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकते थे। ऐसे जन्मजात दोषों के लिए समय पर सर्जरी जरूरी है। अंजू के माता-पिता ने ठाणे के सिविल अस्पताल का विकल्प चुना। प्लास्टिक सर्जन डॉ. अभिषेक धाकड़ ने बताया कि जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार और अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महानगड़े के मार्गदर्शन में अंजू के बाएं हाथ की सफल सर्जरी की गई। करीब एक घंटे की सर्जरी के बाद बीच और बगल की अंगुलियों को सफलतापूर्वक अलग कर दिया गया। लड़की के हाथ की हरकत में सुधार होने लगा है। डॉक्टर ने बताया कि भविष्य में उचित फिजियोथेरेपी और देखभाल से वे अंगुलियां पूरी तरह से काम करने लायक हो जाएंगी। इस सर्जरी के लिए वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. निशिकांत रोकड़े, प्लास्टिक सर्जन डॉ. अभिषेक धाकड़, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका महानगड़े, डॉ विलास सालवी,डॉ श्रीजीत शिंदे, प्रीति पगारे, भक्ति प्रीथे आदि ने अथक परिश्रम किया।

शेफाली जरीवाला की मौत के बाद मल्लिका शेरावत की अपील

'नेचुरल और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं'

शेफाली जरीवाला के अचानक निधन से हर कोई सदमे में है। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कोई मेकअप या फिल्टर इस्तेमाल नहीं किया है। इस दौरान वह लोगों को बोटॉक्स और फिलर्स के इस्तेमाल के प्रति सावधानी देती नजर आईं। साथ ही उन्होंने नेचुरल और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने का भी सुझाव दिया ।

यह वीडियो मल्लिका शेरावत ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें वह कहती हुईं नजर आ रही हैं, 'आप सभी को गुड मॉर्निंग। मैं अभी उठी और सोचा मैं एक सेल्फी वीडियो बनाऊंगी और इसे आप सभी के साथ शेयर करूंगी। मैंने कोई फिल्टर इस्तेमाल नहीं किया है। मैंने कोई मेकअप नहीं किया है। मैंने अभी तक अपने बालों को ब्रश भी नहीं किया है। ये पहली चीज है, जो मैं कर रही हूं।'

'मैं ये वीडियो आपके साथ इसलिए शेयर कर रही हूं, ताकि हम सब मिलकर बोटॉक्स को ना कह सकें, आर्टिफिशियल कॉस्मेटिक फिलर्स को ना कह सकें और लाइफ को हां कह सकें। हेल्दी लाइफ जीने के तरीके को हां कह सकें। लव यू।'

27 जून को हुआ था शेफाली का निधन

शेफाली जरीवाला का निधन 27 जून को हुआ था। हालांकि, उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम किया गया है और डॉक्टरों की राय फिलहाल रिजर्व रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक, शेफाली पिछले कुछ वर्षों से एंटी-एजिंग दवाएं ले रही थीं। जांच के दौरान पुलिस को उनके मुंबई स्थित घर से दवाइयों के दो डिब्बे मिले हैं।

1 लाख की हेरोइन के साथ दो लोग गिरफ्तार

नवी मुंबई। पुलिस ने पंजाब के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1.05 लाख रुपये की हेरोइन जब्त की गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार देर रात नवी मुंबई के पनवेल इलाके में एक निर्माणाधीन पुल के पास जाल बिछाया। पनवेल सिटी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक नितिन ठाकरे ने बताया कि दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से गेंद और पत्थर के आकार की 35 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह सुखदेव सिंह (31) और सुखविंदर सिंह मुकनार सिंह (59) के रूप में हुई है। ये दोनों पंजाब के तरनतारन के रहने वाले हैं। ठाकरे ने बताया की यह दोनों राज्य के बाहर से आए थे और उनके पास से यह प्रतिबंधित पदार्थ मिला था।

ठाणे आरटीओ कार्यालय में ऑटो के लिए नई सीरीज शुरू

ठाणे. आरटीओ कार्यालय में परिवहन श्रेणी ऑटो रिक्शा के लिए वर्तमान में चल रही MH-04-LX सीरीज के पूरा होने के तुरंत बाद कंप्यूटर सिस्टम वाहन पर नई सीरीज MH-04-MT शुरू की जाएगी।शर्तों के अधीन आकर्षक और पसंदीदा वाहन पंजीकरण नंबरों के लिए आवेदन 1 जुलाई, 2025 से स्वीकार किए जाएंगे और निर्धारित शुल्क लेकर पसंदीदा और आकर्षक नंबर आरक्षित किए जाएंगे, यह जानकारी ठाणे के उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने दी।

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
उल्हास वि NEWS
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

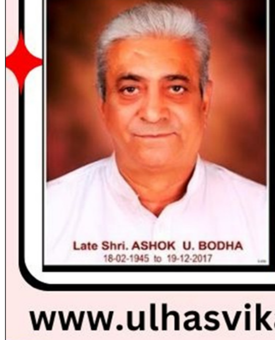

Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

نوجیون کو آپریٹو بینک لمیٹیڈ
NAV JEEVAN CO-OP. BANK
THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD. ESTD : 1985
Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank
- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service
Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099